सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 238 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 19 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

'लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़ेदान में फेंका... 7 | लोस चुनाव-24 पर सियासी दलों ने... 3 | भाजपा सरकार की गलत नीतियों... 2

सरकार से एक ही सवाल ऐसे कैसे चलेगा लोकतंत्र!

संसद से और 49 विपक्षी सांसदों को किया गया निलंबित

» अब तक 141 सदस्यों पर गिरी गाज
» थरूर, डिंपल यादव, सुप्रिया सुले, फारूख अब्दुल्ला को पूरे सत्र में आने से किया वंचित
» विपक्ष बोला- तानाशाही कर रही सरकार
» सत्ता पक्ष का तर्क- दुर्व्यवहार कर रहे थे सदस्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सही हो रहा या गलत, ये बहस का विषय हो सकता है। पर जो रहा है वह भारत के लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। कोई भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया सत्ता पक्ष व विपक्ष के चर्चा के बाद ही पूरी होती है। पर जिस तरह शीतकालीन सत्र में संसद से 141 सांसदों को निलंबित किया गया है उसने भाजपा सरकार की नीयत पर सवाल उठा दिया है। वहीं इस निलंबन पर संसद से लेकर सड़क तक संग्राम मचा हुआ है। कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने कहा है सत्ता के मद में बीजेपी सरकार तानाशाही कर रही है साथ ही एक अघोषित आपातकाल लागू कर काले कानूनों को पास करवाना चाहती है।

उधर सरकार ने कहा है कि सांसदों ने लोक सभा व राज्य सभा के अध्यक्षों का अपमान किया था इसलिए उन्हें निलंबित किया गया। दरअसल, मंगलवार को लोकसभा में सुप्रिया सुले, मनीष तिवारी, शशि थरूर, मोहम्मद फैसल, कार्ति चिदंबरम, सुदीप बंधोपाध्याय, डिंपल यादव,फारूक अब्दुल्ला और दानिश अली सहित 49 विपक्षी सांसदों को संसद के शेष शीतकालीन सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। संसद में विपक्षी इंडिया गुट की ताकत और कम हो गई। अनियंत्रित व्यवहार और सभापति के निर्देशों की अवहेलना के लिए अधिक सांसदों को निलंबित कर दिया गया। यह एक दिन पहले संसद के दोनों सदनों से अभूतपूर्व रूप से 78 सांसदों के निलंबन के बाद हुआ है। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रिया सुले, मनीष तिवारी, शशि थरूर, मोहम्मद फैसल, कार्ति चिदंबरम, सुदीप बंधोपाध्याय, डिंपल यादव और दानिश अली सहित अन्य विपक्षी सांसदों को निलंबित करने का प्रस्ताव रखा। वहीं इंडिया के सदस्य संसद में एक बैठक कर रहे हैं और संसद के शेष शीतकालीन सत्र का बहिष्कार करने की योजना बना रहे हैं।

विपक्ष ने विपक्ष में ही बने रहने का मन बना लिया है: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संसद सुरक्षा चूक मामले पर विपक्ष को घेरा। भाजपा संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि विपक्ष ने अपने स्थान पर (विपक्ष में ही) बने रहने का मन बना लिया है। भाजपा की संसदीय दल की बैठक संसद लाइब्रेरी परिसर में हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि लोकतंत्र में भरोसा करने वाले हर व्यक्ति को संसद परिसर में हुई घुसपैठ की घटना की निंदा करनी चाहिए, पर कुछ पार्टियां सुरक्षा चूक के मामले को सपोर्ट कर रही हैं। मोदी ने कहा कि मैं नहीं समझ पा रहा हूं लोकतंत्र में भरोसा करने वाली कोई पार्टी कैसे इस घटना को सही ठहरा सकती है। पीएम ने कहा कि विपक्षी दल हालिया विधानसभा चुनावों में मिली हार से परेशान हैं और अपनी बौखलाहट में संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं। पीएम ने भाजपा नेताओं से संयम बरतने और लोकतांत्रिक नियमों का पालन करने को कहा। पीएम ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का लक्ष्य हमारी सरकार को हटाना है, जबकि हमारी सरकार का लक्ष्य इस देश के लिए बेहतर भविष्य तैयार करना है। विपक्षियों के इस व्यवहार से 2024 में इनके नंबर और कम होंगे। भाजपा को फायदा होगा।

इंडिया गठबंधन की बैठक में उठेगा मुद्दा

इंडिया ब्लॉक की कुल मिलाकर चौथी बैठक दिल्ली के अशोका होटल में दोपहर करीब तीन बजे होगी। पहली बैठक 23 जून को पटना में हुई थी। संसद में विपक्षी सांसदों के निलंबन, सीट-बंटवारे, संयुक्त अभियान खाका और 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने की रणनीति तैयार करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विपक्षी भारत गुट मंगलवार को दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक करेगा। छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में हाल के विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद एक कार्ययोजना पर चर्चा होने की उम्मीद है। बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद सुप्रीमो लालू यादव, शिव सेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे और राकांपा सुप्रीमो शरद पवार समेत कई नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

हम अंतिम पल तक लोकतांत्रिक ढंग से लड़ेंगे : प्रमोद तिवारी

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, ये अलोकतांत्रिक है, अगर कोई अपनी बात कहना चाहता है तो उसमें आप अवरोध उत्पन्न करेंगे। हम सदन में क्यों आते हैं वाद विवाद के लिए या सरकार कोई गलत काम करे तो उसकी आलोचना के लिए, वे हमें निकालकर यह नहीं तय कर सकते कि सदन में हमारी आवाज खामोश हो जाए, हम अंतिम पल तक पूरी शक्ति के साथ लोकतांत्रिक ढंग से लड़ेंगे।

ऐसा लगता है विपक्ष का औचित्य ही खत्म : रामगोपाल

समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव राम गोपाल यादव ने कहा, जिस तरीके से सांसद सदस्य को निलंबित किया जा रहा है। इस देश में नहीं लगता है कि विपक्ष का औचित्य रह गया है, हमने तो नारे नहीं लगाये थे।

सरकार की विफलता को दर्शाने वाला कृत्य : डिंपल यादव

लोकसभा की कार्यवाही के दौरान मंगलवार को सदन के शीतकालीन सत्र से 41 और सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इन सांसदों में समाजवादी पार्टी की नेता और सांसद डिंपल यादव भी शामिल हैं। अपने निलंबन पर डिंपल यादव ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना साधा। डिंपल के अलावा यूपी से एसटी हसन और दानिश अली को सस्पेंड किया गया है। विपक्षी सांसदों निलंबन पर सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, आज लगभग 40 से ज्यादा सांसद निलंबित हुए हैं। कल भी लोकसभा और राज्यसभा में मिलाकर 80 से ज्यादा सांसद निलंबित हुए। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। जो वातावरण हम देख रहे हैं, जहां हम संसद में अपनी बात नहीं रख पा रहे हैं वह सरकार की पूरी विफलता को दर्शाता है।

जयंत ने भी की आलोचना

वहीं जयंत चौधरी ने कहा, कि मैं उन सभी को निलंबित करता हूं जो मेरे ट्वीट का विरोध करते हैं! इसके बाद उन्होंने आगे डॉट..डॉट करते हुए नीचे मजाकिया अंदाज में कहा, असल में नहीं... वापस आ जाओ।

टीएमसी सांसद के मिमिक्री वाले वीडियो पर नाराज दिखे धनखड़

राज्यसभा स्पीकर जगदीप धनखड़ ने टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के मिमिक्री वाले वीडियो को लेकर सदन में नाराजगी जताई। उन्होंने सदन में कहा कि एक सांसद ने टीवी पर विशवट की हद पार कर दी। उन्होंने कहा कि हद होती है। चैनल के सामने सदन की मर्यादा को तार-तार किया गया है।

हर वर्ग तक पहुंचेंगे : कांग्रेस

» पश्चिम यूपी से पूर्वांचल तक चलता रहेगा महासम्मेलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राहुल, सोनिया और प्रियंका को यूपी से लड़ने का न्यौता

दिल्ली में हुई कांग्रेस की बैठक में प्रदेश के नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को लोकसभा चुनाव लड़ने का न्यौता दिया। यह भी दावा किया कि रायबरेली में सोनिया गांधी के लिए मुकम्मल तैयारी है। इस दौरान शीर्ष नेतृत्व ने कहा कि 19 को हो रही इंडिया गठबंधन की बैठक में सीटों की तस्वीर साफ हो सकती है। इसके बाद चुनाव लड़ने पर फैसला किया जाएगा। फिर भी अपनी तैयारी में कोई कोर कसर बाकी नहीं रहनी चाहिए। ऐसे में माना जा रहा है कि कांग्रेस अब गठबंधन की राह देखने के बाद ही यूपी में अपने उम्मीदवारों पर फैसला लेगी। दिल्ली में आयोजित बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सभी पूर्व अध्यक्षों सहित करीब 41 नेताओं ने हिस्सा लिया। प्रदेश के नेताओं ने दलित गौरव संवाद, पिछड़ा वर्ग सम्मेलन और 20 से शुरू हो रहे यूपी जोड़ो यात्रा के बारे में जानकारी दी। प्रदेश कार्यकारिणी और बूथों के गठन और लोकसभा क्षेत्रवार जातीय समीकरण का ब्यौरा भी रखा। सूत्रों की मानें तो पार्टी नेताओं ने राहुल- प्रियंका के साथ ही खरगे को भी यूपी की प्रथम वरीयता वाली 30 सीटों में से किसी भी सीट से मैदान में उतरने की अपील की।

लखनऊ। कांग्रेस ने प्रदेश में अलग-अलग कार्यक्रमों के जरिए लोगों में पैठ बनाने की रणनीति अपनाई है। इसके तहत 20 दिसंबर से पश्चिम में यूपी जोड़ो यात्रा शुरू की जा रही है तो पूर्वांचल में महासम्मेलन के जरिए माहौल को गरमाया जाएगा। कांग्रेस की रणनीति है कि जातिगत जनगणना कराने और आरक्षण बचाने के अभियान को निरंतर धार दी जाए। कांग्रेस ने 20 दिसंबर से सहारनपुर से शुरू होने वाली यात्रा को सीतापुर से अब लखनऊ तक बढ़ा दिया है। यह यात्रा किसी जिले में दो तो किसी में एक दिन रहेगी। इसका विवरण मंगलवार को जारी किया जाएगा। यात्रा में करीब 250 से ज्यादा लोग निरंतर जुड़े रहेंगे। इसके अलावा जिलेवार लोगों के जुड़ने का क्रम भी जारी रहेगा।

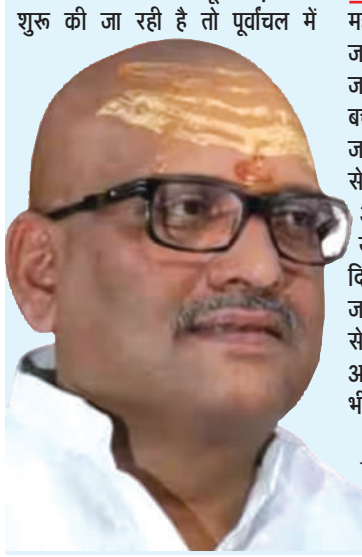

इसके लिए पार्टी प्रदेश कार्यालय में पंजीयन भी किया जा रहा है। दूसरी ओर, पार्टी ने यात्रा के दौरान पूर्वांचल में भी गतिविधियां जारी रखने का फैसला लिया है। इसके तहत गाजीपुर में पिछड़ा वर्ग विभाग का महासम्मेलन भी होगा। 26 दिसंबर को गाजीपुर के लंका मैदान में होने वाले इस महासम्मेलन का मुख्य मुद्दा जातिगत जनगणना कराओ, आरक्षण बचाओ रहेगा। इसके मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह रहेंगे। विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि इस महासम्मेलन में पूर्वांचल के हर जिले के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इसके बाद मिर्जापुर में जल्द ही महासम्मेलन होगा।

नए नेताओं को आगे बढ़ाएं

बैठक के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हमें सिर्फ चुनाव के बजाय निरंतर नई लीडरशिप विकसित करनी होगी। पूर्व प्रदेश अध्यक्षों का आह्वान किया कि अपने अनुभव के आधार पर हर क्षेत्र में नए-नए क्षत्रप तैयार करें। सभी जाति, धर्म, वर्ग के लोगों को प्रतिनिधित्व दें। ताकि सभी की भागीदारी बढ़े। शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में शुरू हो रही यूपी जोड़ो यात्रा की तारीफ की। कहा कि इस तरह के कार्यक्रम निरंतर चलाए जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ा जा सके।

एकजुटता पर रहे जोर

सूत्रों की मानें तो पार्टी के तीनों वरिष्ठ नेताओं ने आपसी एकजुटता पर जोर दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठन की ताकत समझाई। नए और पुराने नेताओं की एकजुटता पर जोर दिया। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भी कहा कि हमें हर व्यक्ति की आवाज बनना होगा। उत्तर प्रदेश के लोगों को यह अहसास कराना होगा कि कांग्रेस उनके हितों के लिए हर स्तर पर संघर्ष करने के लिए तैयार है। पार्टी नेताओं ने आपसी गिले- शिकवे भुलाने पर भी जोर दिया।

संक्षिप्त खबरें

दाऊद इब्राहिम पर पाकिस्तान झूठ बोलता है: मलूक नागर

नई दिल्ली। अंडरवर्ल्ड डॉन और मुंबई बम धमाकों के आरोपी दाऊद इब्राहिम को जहर देने की खबरें सामने आ रही हैं। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक दाऊद का पाकिस्तान के कराची स्थित एक अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है, इस बीच बहुजन समाज पार्टी के सांसद मलूक नागर ने मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है, उन्होंने कहा कि इस खबर से एक बात तो साफ हो गई है कि पाकिस्तान की सरकार झूठ बोलती है, नागर ने कहा, अगर पाकिस्तानी मीडिया में दाऊद को जहर देने की खबर चल रही है तो इसका मतलब यह है कि वह पाकिस्तान में ही था और जिंदा था। बीएसपी सांसद ने पाकिस्तानी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पाक सरकार को सोचना चाहिए कि उसने हाल ही में दाऊद को लेकर जो बयान जारी किया था, वह कितना गैर-जिम्मेदाराना था। इस पर उसे अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने एक डॉन को बचाने के लिए झूठ बोला, नागर ने आगे कहा कि इस तरह के लोग जो पूरी दुनिया के खतरा हैं, उनको बचाने के लिए कोई भी सरकार अगर झूठ बोलती है तो यह ठीक नहीं है, हम इस तरह के बयानों की निंदा करते हैं।

खरमास के बाद जदयू में होगी टूट: चिराग

दिल्ली/पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के जमुई से सांसद चिराग पासवान ने कहा कि खरमास खत्म होते ही जेडीयू में बड़ी टूट होगी। चिराग पासवान ने अपने बयान में यह भी कहा कि जेडीयू के कई नेता मेरे संपर्क में हैं। कुछ नेता बीजेपी के संपर्क में हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस डोनेट फॉर देश के नाम से जो अभियान चला रही है उस पर चिराग पासवान ने सवाल उठाए. चिराग पासवान ने इसको लेकर कहा कि अपने निजी काम के लिए और चुनाव लड़ने के लिए जो पैसे जुटाए जा रहे हैं उसके लिए देश के नाम का इस्तेमाल किया जा रहा है. इसको स्वीकार नहीं किया जा सकता। बता दें कि चिराग पासवान ने सीएम नीतीश की पार्टी में टूट का यह दावा कोई पहली बार नहीं किया है। इसके पहले भी वो इस तरह की बात कई बार कह चुके हैं, अभी पिछले ही महीने नवंबर में चिराग पासवान ने यही बात कही थी। चिराग ने कहा था कि खरमास के बाद जेडीयू में बड़ी टूट होगी। कोई नाम लेने वाला नहीं बचेगा। एक बार फिर चिराग ने इस तरह के बयान को दोहराया है।

कोर्ट को आधुनिक करने के प्रयास में आई तेजी : चंद्रचूड़

» न्यायालय में आने वाले लोगों को न्याय देना हमारी प्राथमिकता हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आने वाले सालों में न्यायपालिका में भी आधुनिकता देखने को मिलेगी, इस पर काम भी हो रहा है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए न्यायपालिका को आधुनिक बनाना है। डीवाई चंद्रचूड़ से जब पूछा गया कि अपने इकोनॉमिक्स में पढ़ाई की और फिर सीजेआई के पद तक पहुंचने पर कैसा लगता है?

इस पर सीजआई ने कहा, यह जस्टिस ईएस वेंकटरमैया (भारत के 19वें मुख्य न्यायाधीश) को मेरा यूनीक ट्रिब्यूट है। वह सुप्रीम कोर्ट के स्कॉलर जज रहे थे,ईएस वेंकटरमैया की स्मृति में इस व्याख्यान में लेक्चर देकर मैं खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश, भारत के 19वें मुख्य न्यायाधीश ईएस वेंकटरमैया की स्मृति में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में एक व्याख्यान में शामिल हुए थे।

ममता बनर्जी से मिले सीएम केजरीवाल

» कई मुद्दों पर की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों की बैठक से एक दिन पहले सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी और शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष व महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। ये दोनों नेता इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने आए हैं। ममता बनर्जी के साथ उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी के साउथ एवेन्यू स्थित आवास पर करीब पौन घंटे तक मुलाकात चली। बैठक से निकले समय केजरीवाल ने कोई टिप्पणी नहीं की।

इसके बाद केजरीवाल ने अपने आवास पर शिवसेना नेता उद्धव के अलावा आदित्य ठाकरे, संजय राउत और प्रियंका चतुर्वेदी के साथ बैठक की। बाद में सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ममता बनर्जी के साथ शिष्टाचार भेंट में देश के राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने सोशल मीडिया पर शिवसेना नेताओं के साथ बैठक की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, उन्हें अपने आवास पर इन नेताओं की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है।

दिल्ली सीएम को ईडी का समन, पूछताछ के लिए 21 को बुलाया

नई दिल्ली। पिछले महीने वित्तीय निगरानी संस्था ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह आरोप लगाते हुए सम्मन को नजरअंदाज कर दिया था कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्हें गुरुवार, 21 दिसंबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अरविंद केजरीवाल को यह दूसरा समन है। पिछले महीने वित्तीय निगरानी संस्था ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह आरोप लगाते हुए सम्मन को नजरअंदाज कर दिया था कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित है।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों से सभी लोग दुखी : अखिलेश यादव

» बोले- उद्योगपतियों का कर्ज माफ, किसानों का नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश ने एकबार फिर भाजपा की नीतियों पर करारा प्रहार किया है। पूर्व यूपी सीएम ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों से सभी दुखी हैं। केंद्र सरकार ने उद्योगपतियों का 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। जनता भाजपा से नाराज है और वह परिवर्तन चाहती है। लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से हटा देगी।

उन्होंने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा की आर्थिक नीतियां फेल हो चुकी हैं। नोटबंदी की खामियां भी सामने आ चुकी हैं। काला धन और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सरकारी जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। भाजपा भी कांग्रेस के रास्ते पर है। जनता भाजपा को सत्ता के दुरुपयोग की सजा देगी। सपा की रणनीति इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की है। यह पीडीए के रास्ते पर चलकर मजबूत होगा और भाजपा को हराएगा। वहीं चीन की सीमा को देखते हुए सपा ने सुझाव दिया था कि ग्वालियर से लीपू-लेन तक सिक्स लेन सड़क बनाई जाए, लेकिन इस पर काम नहीं हुआ। भाजपा की गलत नीतियों के कारण नौजवानों की नौकरी छीनी जा रही है। साजिश और षडयंत्र के तहत सपा नेताओं को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है। मोहम्मद आजम खां पर झूठे मुकदमे किए गये। यह सब करके भाजपा सपा को कमजोर दिखाना चाहती है लेकिन वह इसमें कामयाब नहीं होगी। हमें न्यायालय पर भरोसा है कि आजम खां साहब और सपा विधायकों, पूर्व विधायकों आदि को न्याय मिलेगा।

केंद्र सरकार यूपी के साथ सौतेला व्यवहार कर रही

सपा यूपी में भाजपा को सभी 80 सीटों पर हराने की रणनीति बना रही है। प्रधानमंत्री से लेकर कई मंत्री यूपी से हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनता के लिए कोई काम नहीं किया। केंद्र सरकार यूपी के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। वहीं उन्होंने कहा कि रामंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अगर भगवान का बुलावा आएगा तो वह जरूर जाएंगे।

लोस चुनाव-24 पर सियासी दलों ने गड़ाई नजर

पार्टी को आर्थिक व सांगठनिक मजबूती देने पर चर्चा

- कांग्रेस ने तेज की रणनीतिक तैयारी
- जनता के बीच और मजबूती से रखेंगे अपनी बात
- पूरा विपक्ष घूम-घूम कर खोलेगा बीजेपी सरकार की पोल
- यूपी कांग्रेस भी तैयारी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

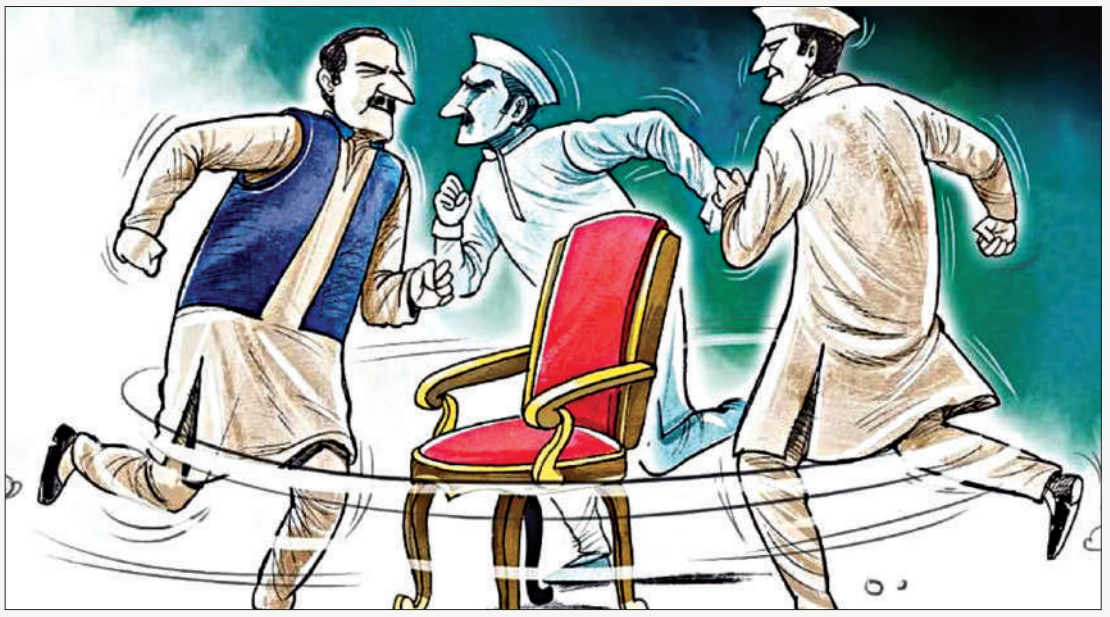

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के होने में अब कुछ ही महीने रह गए हैं। सभी सियासी दल अपने तीर-तरकश को संवारने में जुट गए हैं। भाजपा जहां तीन राज्यों के विधानसभा में जीत के बाद पूरे आत्मविश्वास में है। तभी पीएम मोदी अपनी सभाओं में कहने लग गए हैं कि इसबार बीजेपी तिकड़ी मारेगी। हालांकि उनकी बात को विपक्ष ने हंसी में उड़ा दिया है। राजद सुप्रीमो ने कहा कि मोदी क्या हैं और अगर उनको तिसरी बार आना है तो आएं। उधर मंगलवार को इंडिया गंठबंधन की चौथी बैठक दिल्ली में होगी। इस बैठक में कांग्रेस समेत लगभग 26 दल भाग लेंगे।

इस बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव- 24 को लेकर चर्चा होगी। वहीं कांग्रेस ने जनता के बीच जाकर चंदा लेगी और इसी सहारे वह जन-जन से भी जुड़ेगी। गौरतलब हो कि देश में लोकसभा चुनावों के लिए अभी करीब पांच महीने का वक्त बाकी है, लेकिन सियासी सरगर्मियां तेज होती जा रही है। वंही कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ऑनलाइन चंदा एकत्र करने के लिए 'डोनेट फॉर देश नाम से आज अभियान शुरू कर दिया है। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी 28 दिसंबर को अपने 138वें स्थापना दिवस से पहले इस अभियान के माध्यम से लोगों से 138 रुपये, 1,380 रुपये, 13,800 रुपये या फिर इससे 10 गुना राशि चंदे के रूप में देने की अपील कर रही है। भाजपा ने इस अभियान को लेकर विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह सार्वजनिक धन को हड़पने और गांधी परिवार को समृद्ध करने का एक और प्रयास है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस अभियान की शुरुआत की है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि पार्टी धन की तंगी से जूझ रही है और भाजपा की चुनाव मशीनरी से लड़ने के लिए पैसे की कमी का सामना कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा अधिकांश चुनावी बांड हासिल कर रही है, क्योंकि यह योजना सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष में बनाई गई है।

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले कांग्रेस पार्टी संगठन की सक्रि यता बढ़ रही है। यूपी कांग्रेस आज दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक कर 2024 लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति पर मंथन करेगी। आज होने वाली इस बैठक में उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने 4 महीने के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड भी देंगे. तो वहीं, 2024 लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति पर मंथन भी होगा, अजय राय के साथ कुल 41 नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है, जिसमे पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के साथ कांग्रेस के शीर्ष नेता शामिल है। दिल्ली में हो रही है इस बैठक में इंडिया एलाइंस पर भी चर्चा होगी, कांग्रेस पार्टी की बैठक यूपी के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है , कांग्रेस पार्टी के सूत्रों के अनुसार कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश की लोकसभा सीटों को तीन हिस्सों में बांट रखा है जिसमें पहली श्रेणी में 30 सीटें, दूसरी श्रेणी में भी 30 सीटें और तीसरी श्रेणी में 20 सीटों को रखा गया है इसमें पहले 30 सीटें वह है जहां कांग्रेस पिछले 20 सालों में मजबूत रही है।

देश अब 'गुलामी की मानसिकता से मुक्त हो रहा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद आज समय का चक्र एक बार फिर घूमा है और देश अब 'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति ' और अपनी 'विरासत पर गर्व' की घोषणा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को वाराणसी में दुनिया के सबसे बड़े ध्यान केंद्र 'स्वर्वेद महामंदिर' का उद्घाटन किया। गुलामी के दौर में जिन अत्याचारियों ने भारत को कमजोर करने का प्रयास किया, उन्होंने सबसे पहले हमारे सांस्कृतिक प्रतीकों को ही निशाना बनाया। आजादी के बाद इन सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनर्निर्माण आवश्यक था। अगर हम अपनी सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देते, तो देश के भीतर एकजुटता और आत्मसम्मान का भाव मजबूत होता। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा हुआ नहीं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण तक का विरोध किया गया था और इस तरह की सोच दशकों तक देश पर हावी रही। इसका नतीजा यह हुआ कि देश हीन भावना के गर्त में चला गया। अपनी विरासत पर गर्व करना भूल गया।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''आजादी के सात दशक बाद आज समय का चक्र एक बार फिर घूमा है। देश

अब 'गुलामी की मानसिकता से मुक्ति' और अपनी 'विरासत पर गर्व' की घोषणा कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''जो काम सोमनाथ से शुरू हुआ था, वो अब एक अभियान बन गया है। आज काशी में विश्वनाथ धाम की भव्यता भारत के अविनाशी वैभव की गाथा गा रही है। आज महाकाल महालोक हमारी अमरता का प्रमाण दे रहा है।''

तिलक स्वराज कोष की तरह डोनेट फॉर देश : वेणुगोपाल

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने मीडिया से कहा,कांग्रेस को चंदा एकत्र करने के अपने ऑनलाइन अभियान 'डोनेट फॉर देश की शुरुआत की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। यह पहल 1920-21 में महात्मा गांधी के ऐतिहासिक 'तिलक स्वराज कोष से प्रेरित है, इसका उद्देश्य संसाधनों के समान वितरण और अवसरों से समृद्ध भारत का निर्माण करने के लिए पार्टी को सशक्त बनाना है., उन्होंने कहा कि हम लोगों को उस इतिहास को स्वीकारते हुए अंशदान करने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो बेहतर भारत के लिए पार्टी की स्थायी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। वेणुगोपाल के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी और सोशल मीडिया के माध्यम से इस अभियान को लेकर जागरुकता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा, यह अभियान मुख्य रूप से पार्टी के स्थापना दिवस 28 दिसंबर तक ऑनलाइन रहेगा, जिसके बाद हम जमीनी अभियान शुरू करेंगे. इसके तहत पार्टी से जुड़े स्वयंसेवी घर-घर जायेंगे और प्रत्येक बूथ में कम से कम 10 घरों को लक्षित करके हर घर से कम से कम 138 रुपये का अंशदान सुनिश्चित करेंगे।

भ्रष्टाचार से जनता का ध्यान हटाने को लाए योजना : पूनावाला

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि जिन्होंने 60 वर्षों तक भारत को लूटा, वे अब उसी देश से चंदा मांग रहे हैं, उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने अपने उस भ्रष्टाचार से जनता का ध्यान हटाने के लिए डोनेट फॉर देश अभियान शुरू किया है, जो एक बार फिर उसके राज्यसभा सदस्य धीरज साहू के पास से भारी मात्रा में नकदी की जब्ती के बाद सामने आया है।

रोजगार व महंगाई भी बनेगा मुद्दा : राहुल

संसद की सुरक्षा में हुई चूक पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार व बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। राहुल गांधी ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद में सुरक्षा चूक हुई है ऐसा क्यों हुआ? देश में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। संसद की सुरक्षा में हुई चूक मामले पर राहुल गांधी ने बयान दिया है। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा क्यों हुआ, देश में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के कारण देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है और इस घटना के पीछे का कारण बेरोजगारी और महंगाई है।उन्होंने ये मुद्दा आगामी लोकसभा चुनाव में उठाया जाएगा और जनता से सहयोग मांगा जाएगा। उधर संसद की सुरक्षा में चूक के बाद दिल्ली पुलिस इस घटना में शामिल सभी छह आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सुरक्षा में सेंध के मास्टरमाइंड ललित झा से भी अलग से पूछताछ हो रही है। पुलिस की पूछताछ के दौरान सभी गिरफ्तार आरोपियों ने कई बड़े खुलासे किए हैं. इस मामले में पुलिस को अब ललित झा का साथ देने वाले महेश कुमावत की तलाश है। पुलिस की कई टीमें महेश को गिरफ्तार करने के लिए संभावित जगहों पर छापेमारी कर रही है. इन सब के बीच पुलिस ने महेश कुमावत के इंस्टाग्राम एकाउंट को डिकोड कर लिया है। महेश के इंस्टाग्राम एकाउंट से कई बड़े खुलासे भी हुए हैं।

लोकसभा चुनाव में भी भ्रष्टाचार बनेगा मुद्दा

इन दिनों सोशल मीडिया पर नोटों से भरी अलमारियों की कुछ तस्वीरों खूब वायरल हो रही हैं, जिनका संबंध कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और कारोबारी धीरज साहू से है। धीरज साहू के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी की खबरें सुर्खियों में रहीं। ये छापेमारी झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 9 ठिकानों पर हुईं। आयकर विभाग की इस छापेमारी में अब तक 351 करोड़ रुपए मिले हैं। साहू के ठिकानों में मिले बेहिसाब धनराशि ने फिर से एक बार देश में भ्रष्टाचार और कालेधन को लेकर बहस छेड़ दी है। इस मुद्दे पर भाजपा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर लगातार तंज कस रही है। राजनीति से इतर ये प्रकरण एक गंभीर मामला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी रही है। इस साल 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई का आह्वान किया था, जिनका देश सामना कर रहा है- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण। अब बीती 8 दिसंबर को किया गया एक्स पर उनका पोस्ट देखिए, जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐलान-ए-जंग कर 2024 से पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन के खिलाफ जबरदस्त प्रहार किया है। इस तरह उन्होंने लोकसभा चुनाव का एजेंडा और टोन को भी सेट कर दिया है। हालिया पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर घेरा था। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपनी तकरीबन हर चुनावी रैली में पीएम भ्रष्टाचार का मुद्दा जोर-शोर से उठाते थे। कभी महादेव ऐप घोटाला तो कभी खनन घोटाला, कभी लाल डायरी में दर्ज काले कारनामे तो कभी भर्तियों में धांधली और पेपर लीक...। राजस्थान की ऐसी ही एक रैली में पीएम मोदी ने लाल किले से दिए अपने भाषण की बातों को दोहराते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण देश के 3 बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस इन तीनों की ही प्रतीक है। इसी तरह छत्तीसगढ़ के कांकेर की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गारंटी दी कि भ्रष्टाचारियों ने जो कुछ भी लूटा है, उसे लौटाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैं गारंटी देता हूं, मैं छत्तीसगढ़ के युवाओं से कहता हूं- छत्तीसगढ़ को लूटने वाले चाहे कोई भी हों, चाहे कितने भी ताकतवर हों, उन्हें सब कुछ लौटाना होगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विकसित राष्ट्र के लिए और भी पहलू जिम्मेदार

पीएम मोदी बार-बार अपनी भाषणों में भारत को विकासशील से विकसित देश बनाने की बात करते हैं। परंतु क्या सिर्फ चौड़ी सड़कें, मेट्रो व ऊंची इमारते ही विकास का पैमाना है, या कुछ और भी। रिजर्व बैंक से जुड़े रहे डी सुब्बाराव ने कहना कि कानून का राज, जवाबदेह सरकार व सामाजिक समरसता व आम आदमी के जीवन स्तर में सुधार से ही कोई देश विकसित राष्ट्र बन सकता है। भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो सिर्फ आर्थिक समृद्धि काफी नहीं होगी बल्कि उसे डेनमार्क के रास्ते पर चलना होगा। एक विकसित देश के कई अनिवार्य पहलू हैं जिनमें किसी एक को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बड़ा सपना है कि भारत 2047 में अपनी आजादी के 100 साल पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बन जाए। नीति आयोग इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए रोडमैप बनाने में लगा हुआ है। विकासशील देशों को विकसित राष्ट्रों में बदलने की चुनौती को समझाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस्तेमाल होने वाला एक टर्म है- डेनमार्क पहुंचना। इसमें असल में उस खूबसूरत और समृद्ध देश तक पहुंचने की बात नहीं है, बल्कि समृद्ध, लोकतांत्रिक, सुरक्षित, बेहतर शासन और कम भ्रष्टाचार वाले समाज की कल्पना करना है। क्या शामिल है? बेशक, एक देश को अमीर होना चाहिए, लेकिन सिर्फ पैसा ही काफी नहीं है। लोगों को बेहतर जीवन स्तर का आनंद लेने की भी जरूरत है। इसके लिए समाज को नियमों, एक मजबूत राज्य और लोकतांत्रिक जवाबदेही पर टिका होना चाहिए। कानून हर किसी पर समान रूप से लागू होता है।

इसका मतलब है कि जो कोई भी कानून तोड़ता है, चाहे वह कितना भी ताकतवर या प्रभावशाली क्यों न हो, उसे पकड़ा जाएगा और दंडित किया जाएगा। इसका मतलब यह भी है कि जनता को सरकार के अत्याचार से बचाया जाएगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जैसा कि थॉमस जेफरसन ने अमेरिकी संविधान बनाते समय कहा था- सरकारें अपूर्ण लोगों से बनी होती हैं, जो सत्ता का दुरुपयोग करते हैं। कानून का राज उस पर लगाम लगाने का काम करता है। कानून का राज अकेले काम नहीं करता, उसके साथ एक मजबूत राज्य की भी जरूरत होती है। एक मजबूत राज्य का मतलब तानाशाह शासन नहीं, बल्कि ऐसा राज्य है जो जनता के भले के लिए कड़े नियम बनाता है और उनका पालन करवाता है। साथ ही, वह सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं और लैंगिक समानता, वित्तीय समावेशन जैसी विकासोन्मुखी सुविधाएं भी प्रदान करता है। जनता के भले के लिए काम करने वाला एक मजबूत राज्य भी हमें डेनमार्क तक नहीं पहुंचा सकता, अगर सरकार जवाबदेह नहीं है।

संजय

भारत को विकसित राष्ट्र बनना है तो सिर्फ आर्थिक समृद्धि काफी नहीं होगी बल्कि उसे डेनमार्क के रास्ते पर चलना होगा। एक विकसित देश के कई अनिवार्य पहलू हैं जिनमें किसी एक को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बड़ा सपना है कि भारत 2047 में अपनी आजादी के 100 साल पूरे होने तक एक विकसित राष्ट्र बन जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

केंद्रीय बजट से ही सुधरेगी किसान की दशा

देविंदर शर्मा

कुछ दिन पहले की बात है, महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के दस कर्जदार किसानों ने वहां के मुख्यमंत्री से एक अनोखी व अद्भुत गुजारिश की। जिसके तहत उन्होंने पैसा वसूली के लिए अपने शारीरिक अंगों की नीलामी करने की इच्छा जताई। जिससे वे राष्ट्रीयकृत बैंकों को भुगतान कर सकें। उन्होंने अपने अंग बेचने का प्रस्ताव रखा, और असल में उन्होंने बाकायदा 'रेट कार्ड' भी तैयार कर रखा था- लीवर के लिए 90,000 रुपये, किडनी के लिए 75,000 रुपये और एक आंख के 25,000 रुपये। इस अजीबोगरीब प्रस्ताव से महाराष्ट्र विधानसभा में हंगामा अवश्य हुआ, लेकिन कुछेक दिनों बाद ही सब भुला दिया। त्रासदी यह है कि जो बात कृषि संकट को प्रकट करे उसे इतनी आसानी से अनदेखा कर दिया जाता है। यह भी ऐसे में जब बकाया कर्ज न चुका पा सकने वाले कार्पोरेट, यहां तक कि वे ऐसा करने की स्थिति में होते हैं, तो भी न केवल राजनीतिक नेतृत्व बल्कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) भी उनको सुरक्षा घेरा प्रदान कर देता है।

कुछ माह पूर्व की घटना है, 16,044 जानबूझकर डिफाल्टरों के साथ समझौता करने को लेकर आरबीआई ने रक्षा कवच की भूमिका निभाते हुए बैंकों को निर्देश दिया था जिन्हें बैंकों के 3.45 लाख करोड़ रुपये का बकाया वापस करने में असफल रहने के लिए किसी भी स्थिति में जेल भेजा जाना चाहिये था। बता दें कि जानबूझकर डिफाल्टर उन्हें कहा जाता है जो अदायगी में सक्षम होते हुए भी ऐसा करने से इंकार कर देते हैं। हकीकत तो यह है कि वे बैंकिंग प्रणाली के तहत जवाबदेही से जुड़े नियम-कानूनों को ठेंगा दिखाते हैं। इसके बावजूद, उनके प्रति आरबीआई नरमी बरत रहा है। बारह माह के कूलिंग पीरियड के बाद बैंकों को नए कर्ज देने की भी अनुमति दी गई है। विडंबना, इन जानबूझकर डिफाल्टरों को असल में जान-बूझकर भुगतान करने में असमर्थता के कारण माफ कर दिया गया है, और फिर भी उन्हें नए कर्ज दिए जा रहे हैं, जिससे वे फिर से चूक कर सकते हैं और वापस अदायगी करने से ना-नुकुर कर सकते हैं।

अब एक मिसाल कायम होने के बाद, वे कुछ सालों के बाद फिर एक और कर्ज की रकम माफी की उम्मीद करेंगे। यदि केवल आरबीआई ने कर्ज न चुका सकने वाले किसानों पर भी बैंकों को नरमी बरतने को कहा होता

तो मुझे पक्का यकीन है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) साल 2022 के लिए जो रिपोर्ट दी थी उसमें से अधिकतर किसानों और कृषि श्रमिकों द्वारा किये गये सुसाइड को आसानी से टाला जा सकता था। साल 2021 में रिपोर्ट किये गये कृषि क्षेत्र में आत्महत्याओं के 10881 मामलों के मुकाबले, एनसीआरबी द्वारा साल 2022 में इस क्षेत्र में सुसाइड के 3.7 प्रतिशत मामले ज्यादा दर्ज किये गये जब कुल 11290 किसानों व कृषि श्रमिकों ने घातक रास्ता अख्तियार किया। साल 2022 में जिन कुल 5207 किसानों ने अपनी जान दी, उनमें 208 महिलाएं थीं। इसी तरह सुसाइड करने वाले 6083 खेत मजदूरों में 611 महिला श्रमिक थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें अधिकतर आत्महत्याएं महाराष्ट्र, कर्नाटक व मध्य प्रदेश में हुईं। अकेले महाराष्ट्र में कुल किसान-श्रमिक आत्महत्याओं में से 38 प्रतिशत यानी 4,248 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। यदि पहले वर्णित की गयी घटना यानी हिंगोली जिले में कुछ किसानों द्वारा प्रस्तावित शरीर के अंगों की नीलामी की रिपोर्ट के हिसाब से देखा जाए, तो महाराष्ट्र में जारी संकट तत्काल नीतिगत कदम उठाने की जरूरत बताता है। ऐसा ही देश के बाकी हिस्सों के साथ भी है, जहां कृषि संकट गहराता जा रहा है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस पहले ही पीएम किसान स्कीम में आवंटन दोगुना करने की घोषणा कर चुके हैं। केंद्र द्वारा किसानों को हर वर्ष दिए जाने वाले 6,000 रुपये के अलावा, महाराष्ट्र भी उतनी ही राशि देगा, जिससे आवंटन बढ़कर 12,000 रुपये सालाना हो जाएगा। कुल 1.7 करोड़ से अधिक किसानों को 1 रुपये में फसल बीमा का लाभ दिया गया है, लेकिन यह कौन सुनिश्चित करेगा कि किसानों की फसल के नुकसान के लिए बीमा कंपनी उन्हें उचित मुआवजा देगी? हमने किसानों को फसल के खराबे की क्षतिपूर्ति के रूप में 15 रुपये, 100 रुपये, 200 रुपये आदि भुगतान की रिपोर्ट देखी है।

फसल बीमा को किसानों के लिए एक बड़े लाभ के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि 2016 में योजना शुरू होने के बाद से निजी बीमा कंपनियां 57,619 करोड़ रुपये का मुनाफा बटौर चुकी हैं। वास्तव में, पीएम फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) एक ऐसी बड़ी योजना लगती है जो बीमा कंपनियों के लिए बड़ा मुनाफा यकीनी बनाती है। फिर भी, इधर-उधर की बातों से काम नहीं चलने वाला।

अब समझौते को क्रियान्वित करने का वक्त

डॉ. शशांक द्विवेदी

दुबई में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन या कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-28) का 28वां संस्करण कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा। कॉप शिखर बैठकों का मूल उद्देश्य ऐसे बाध्यकारी समझौतों को अंजाम देना था जो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को सीमित करने में मदद करे। पेरिस समझौते के बाद के दौर में इसमें काफी बदलाव आया है। जलवायु परिवर्तन पर कॉप सम्मलेन विकासशील और कमजोर देशों के लिए बढ़ते जलवायु प्रभावों के बीच सामूहिक रूप से अपनी जरूरतों के बारे में आवाज उठाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। कॉप-28 में पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के दीर्घकालिक लक्ष्य को बरकरार रखा गया है, 2015 में पेरिस में हुए समझौते में करीब 200 देशों में इसे लेकर सहमति बनी थी। संयुक्त राष्ट्र में जलवायु पर नजर रखने वाली संस्था, इंटर गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) के अनुसार, 1.5 डिग्री सेल्सियस वह अहम लक्ष्य है, जिससे जलवायु परिवर्तन के खतरनाक असर को रोका जा सकता है।

कॉप-28 में जलवायु और स्वास्थ्य को लेकर एक व्यापक समझौता हुआ। वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 2030 तक तीन गुना करने के लक्ष्य को 20 देशों का समूह अपने नई दिल्ली घोषणापत्र में ही आगे बढ़ा चुका है। दूसरा लक्ष्य था 22 देशों द्वारा 2050 तक नाभिकीय ऊर्जा को तीन गुना करने का लक्ष्य। नाभिकीय ऊर्जा संबंधी घोषणा पर काफी मतभेद देखने को मिले। यूरोपीय संघ के भीतर भी दो प्रमुख शक्तियों फ्रांस और जर्मनी का नजरिया इस विषय पर एकदम अलग-अलग है। वास्तव में नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन में इजाफा किए बिना उत्सर्जन में कमी का कोई लक्ष्य हासिल नहीं होगा।

आज भी वर्षों से बंद पड़े संयंत्रों और सीमित निवेश के बाद 30 देशों में करीब 400 नाभिकीय रिएक्टर अभी भी दुनिया की कुल बिजली का 10 फीसदी उत्पादित कर रहे हैं। दुनिया के कम कार्बन वाले उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी 25 फीसदी है। कॉप-28 जलवायु सम्मेलन के पहले दिन हानि और क्षति निधि को संचालित करने पर सहमति बनी, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यूएई और जर्मनी दोनों ने 100-100 मिलियन डॉलर देने का वादा किया, वहीं यूके ने 50.5 मिलियन डॉलर देने का वादा किया। दुनिया के सबसे बड़े उत्सर्जक अमेरिका ने इस फंड में 17.5 मिलियन डॉलर देने का वादा किया। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे कई मायनों में अभूतपूर्व बताया, लेकिन उन्होंने बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके अपर्याप्त होने की चिंता भी जताई है। जलवायु परिवर्तन से संबंधी वैश्विक बातचीत में पहली बार 134 देशों ने खेती, खाने-पीने की चीजों और जलवायु कार्रवाई से जुड़ी ऐतिहासिक घोषणा पर दस्तखत किए हैं। घोषणा में उन क्षेत्रों में खाने-पीने की चीजों के उत्पादन, परिवहन और खान-पान के तरीकों को बदलने के लिए राष्ट्रीय एक्शन प्लान बनाने की बात कही गई है जो दुनियाभर में लगभग एक-तिहाई उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं।

दुबई में संपन्न जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 28वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप-28) में पहली बार बदलाव दिखा। बैठक के दौरान कम से कम 134 देश टिकाऊ खेती, बेहतर खाद्य प्रणाली पर दस्तखत करने के लिए एक साथ आए। इन देशों में 5.7 अरब से ज्यादा लोग रहते हैं। साथ ही, दुनिया भर में खाने-पीने की चीजों की खपत का लगभग 70 प्रतिशत यहीं होता है। यही नहीं, लगभग 50 करोड़ किसान भी यहीं रहते हैं और वैश्विक खाद्य प्रणाली से कुल उत्सर्जन का 76 प्रतिशत भी यहीं से होता है। दुबई में हुई खेती-बाड़ी से जुड़ी घोषणा से खाद्य और कृषि संगठन रिजनरेटिव खेती को बढ़ावा देने के लिए एकजुट होंगे। साल 2030 तक 16 करोड़ हेक्टेयर भूमि को रिजनरेटिव खेती के तहत लाया जाएगा। साथ ही आने वाले समय में 2.2 बिलियन डॉलर का निवेश किया जाएगा और दुनिया भर में 36 मिलियन किसानों को इसमें शामिल किया जाएगा। रिजनरेटिव खेती समय के साथ मिट्टी को खराब करने के बजाय उसे बहाल करने और उसकी सेहत को बेहतर रखने के उपाय करती है।

दरअसल, खेती जलवायु परिवर्तन की एक अहम वजह है। कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग एक-तिहाई (21-37 प्रतिशत की सीमा में) खेती और उससे जुड़ी प्रणालियों, खेती और भूमि के इस्तेमाल, भंडारण, परिवहन, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, खुदरा और खपत से होता है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत की भूमिका एक दर्शक से बढ़कर अब मजबूती से अपनी बात कहने, अगुवाई करने और अमल में लाने वाले देश की हो गई है। पेरिस में कॉप-21 में 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को 2005 के स्तर से 33-35 फीसद कम पर लाने का वादा किया। इसने नॉन-फॉसिल फ्यूल पावर सोर्स की क्षमता बढ़ाने और एक कार्बन सिंक बनाने का भी वादा किया। 'पंचामृत' स्ट्रेटजी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 में कॉप-26 में पेश किया था, का मकसद 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल एनर्जी क्षमता, 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी, 2030 तक 50 प्रतिशत रिन्यूबल एनर्जी क्षमता, 2030 तक कार्बन इनटेंसिटी में 45 फीसद की कमी, और 2070 तक नेट-जीरो।

शकरकंद और पालक के पकौड़े

शकरकंद को कद्दूकस कर लें और पालक को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक बाउल में इन दोनों चीज़ों को डालें। इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, बेसन, हल्दी, गरम मसाला मिलाएं। आवश्यकतानुसार पानी भी डाल सकते हैं। बेकिंग शीट पर इसके छोटे-छोटे टुकड़े रखें। अवन में 190 डिग्री सेल्सियस पर 15 से 20 मिनट बेक कर लें। अगर आप कुछ नया और स्वादिष्ट बनाना चाह रहे हैं, तो पालक पकोड़े के अलावा और कुछ न देखें। ये आवश्यक पोषक तत्वों और विटामिनों से बने ये एक क्षुधा आहार के रूप में उत्कृष्ट हैं।

प्याज के पकौड़े

ब्रेकफास्ट में प्याज के पकोड़े हर वक्त हिट रहते हैं। इस रेसिपी को बच्चे हों या बुजुर्ग सभी काफी चाव से खाते हैं। प्याज के पकोड़े खाने में जितने स्वादिष्ट होते हैं इन्हें बनाना भी उतना ही आसान होता है। प्याज के पकोड़े को आप बेहद कम वक्त में तैयार कर सकते हैं। स्वाद के मामले में इनका कोई जवाब नहीं है। प्याज के पकोड़े को आप शाम को चाय के साथ भी सर्व कर सकते हैं। इन्हें बनाने के लिए एक बाउल में पतले कटे प्याज, पुदीने की बारीक कटी पत्तियां, बेसन, सौंफ और नमक मिलाएं। जरूरत के हिसाब से इसमें थोड़ा पानी भी मिला सकते हैं। बेकिंग शीट पर इसके छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर रखें। अवन में 190 डिग्री सेल्सियस पर 15-20 मिनट बेक करना है।

कम तेल में बने पकौड़े का लें नाश्ते में स्वाद

इस बात से ज्यादातर लोग सहमत होंगे कि शाम को लगने वाली भूख को समोसे, पकौड़े ही मिटा सकते हैं। गर्मा-गरम चाय की एक प्याली हो और उसके साथ आलू, गोभी, प्याज के तीखे-चटपटे पकौड़े...सोचकर ही मुंह में पानी आ गया ना, तो जरा सोचिए सामने मिल जाए तो कितना मजा आ जाए। पकौड़े तो ऐसे स्नैक्स हैं जिसके एक-दो पीस खाकर कहां ही पेट भरता है और मन की तो छोड़ ही दीजिए, लेकिन आप सब इस बात से भी तो भली-भांति वाकिफ होंगे कि डीप फ्राइड पकौड़े सेहत के लिए बिल्कुल भी अच्छे नहीं होते। कभी-कभार खाने में कोई बुराई नहीं, लेकिन अगर आप अक्सर ही स्नैक्स में इन्हें खाते हैं, तो इससे मोटापा, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की पूरी-पूरी संभावना रहती है।

पनीर के पकौड़े

पनीर का इस्तेमाल सिर्फ सब्जी के तौर पर ही नहीं किया जाता है बल्कि इससे कई तरह के अन्य फूड आइटम्स भी तैयार किये जा सकते हैं। इनमें से ही एक स्वाद से भरा फूड आइटम है पनीर पकोड़े का। पनीर पकोड़ा एक ऐसी रेसिपी है जिसे किसी भी वक्त बनाकर खाया जा सकता है। नाश्ते के तौर पर भी दिन की शुरुआत इस रेसिपी से की जा सकती है। इस फूड डिश की खासियत है कि ये बच्चों को जितनी पसंद आती है उतनी ही बड़ों को भी भाती है। ये रेसिपी बनाने में भी काफी आसान है और काफी कम वक्त में बनकर तैयार हो जाती है। आप अगर घर पर कोई पार्टी थ्रो करना चाहते हैं तो उसके लिए भी पनीर पकोड़े को अपने मैन्यू में शामिल कर सकते हैं। पनीर पकोड़ा बनाना बेहद आसान है। पनीर पकोड़ा बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन लें और उसमें बेसन छानकर डाल दें। अब बेसन में लाल मिर्च पाउडर, अजवाइन, हींग, गरम मसाला, चाट मसाला और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर घोल तैयार कर लें।

गोभी के पकौड़े

एक बाउल में गोभी, काबुली चने, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और नमक इन सारी चीज़ों को मिला लें। गाढ़ा सा पेस्ट बना लें। इसमें गोभी को डुबोएं और बेकिंग शीट पर रखते जाएं। पकोड़े के घोल के लिये बेसन में चावल के आटे की जगह सूजी भी मिलाई जा सकती है। बेसन को अच्छी तरह से फैटने पर पकोड़े की शेप अच्छी बनती हैं। अवन में 200 डिग्री सेल्सियस पर कम से कम 20 से 25 मिनट तक बेक कर लें। पकौड़ों को पलट-पलट कर मीडियम हाई गैस पर गोल्डन ब्राउन होने तक तल कर निकाल लीजिये, गरमा गरम गोभी के पकौड़े कसूंदी, हरे धनिये की चटनी, पुदीने की चटनी या टमैटो सॉस के साथ परोसिये और खाइये।

हंसना मना है

2 हफ्तों से ज्यादा खासी TB बन जाती है.. अगर टाइम पे गर्लफ्रेंड ना चेंज करो तो वो बीबी बन जाती है।

गर्लफ्रेंड- मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड- तुम्हारी पसंदीदा चोकलेट खा लेता हूं और तुम क्या करती हो मेरी याद आये तब, गर्लफ्रेंड- मैं भी 'विमल' खा लेती हूं।

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हे जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग में चांद दे दूं, तु रात मांग में रात दे दूं, तु दिल मांग दिल दे दूं, तु प्यार मांग,क्या यार, भिक मांगने की भी एक Limit होती है।

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे ILU कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन है आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आंखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में निंबू-मिर्ची भी लटकाया करो।

कहानी | महाकपि का बलिदान

हिमालय के जंगल में ऐसे कई पेड़-पौधे हैं, जो अपने आप में अनोखे हैं। ऐसे पेड़-पौधे और कही नहीं पाए जाते। ऐसा ही एक पेड़ नदी किनारे था, जिस पर सारे बंदर अपने राजा के साथ रहा करते थे। बंदरों के राजा का नाम महाकपि था। महाकपि बहुत ही समझदार और ज्ञानवान था। महाकपि का आदेश था कि उस पेड़ पर कभी कोई फल न छोड़ा जाए। जैसे ही फल पकने को होता, वैसे ही वानर उसे खा लेते थे। महाकपि का मानना था कि अगर कोई पका फल टूटकर नदी के रास्ते किसी मनुष्य तक पहुंचा, तो ये उनके लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। सभी वानर महाकपि की इस बात से सहमत थे और उनकी आज्ञा का पालन करते थे, लेकिन एक दिन एक पका फल नदी में जा गिरा, जो पत्तियों के बीच छुपा हुआ था। वह फल नदी में बहकर एक जगह पहुंच गया, जहां एक राजा अपनी रानियों के साथ घूम रहा था। फल की खुशबू इतनी अच्छी थी कि आनंदित होकर रानियों ने अपनी आंखें बंद कर ली। राजा भी इस खुशबू पर मोहित हो गया। राजा ने अपने आसपास निहारा, तो उसे नदी में बहता हुआ फल दिखाई दिया। राजा ने उसे उठाकर अपने सिपाहियों को दिया और कहा कि कोई इसे खाकर देखे कि यह फल कैसा है। एक सिपाही ने उस फल को खाया और कहा कि ये तो बहुत मीठा है। इसके बाद राजा ने भी उस फल को खाया और आनंदित हो उठा। उसने अपने सिपाहियों को उस पेड़ को खोज निकालने का आदेश दिया, जहां से ये फल आया था। काफी मेहनत के बाद राजा के सिपाहियों ने पेड़ को खोज निकाला। उन्हें नदी किनारे वो सुंदर पेड़ नजर आ गया। उस पर बहुत सारे वानर बैठे हुए थे। सिपाहियों को ये बात पसंद नहीं आई और उन्होंने वानरों को एक-एक करके मारना शुरू कर दिया। वानरों को घायल देखकर महाकपि ने समझदारी से काम लिया। उसने एक बांस का डंडा पेड़ और पहाड़ी के बीच पुल की तरह लगा दिया। महाकपि ने सभी वानरों को उस पेड़ को छोड़कर पहाड़ी की दूसरी तरफ जाने का आदेश दिया। वानरों ने महाकपि की आज्ञा का पालन किया और वो सभी बांस के सहारे पहाड़ी के दूसरी ओर पहुंच गए, लेकिन इस दौरान डरे-सहमे बंदरों ने महाकपि को बुरी तरह से कुचल दिया। सिपाहियों ने तुरंत राजा के पास जाकर सारी बात बताई। राजा, महाकपि की वीरता से बहुत प्रसन्न हुए और सिपाहियों को आदेश दिया कि महाकपि को तुरंत महल लेकर आएं और उसका इलाज करवाएं। सिपाहियों ने ऐसा ही किया, लेकिन जब महाकपि को महल लाया गया, तब तक वह मर चुका था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे।

वृषभ सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं।

मिथुन नौकरी में अनुकूलता रहेगी। पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

कर्क जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे।

सिंह मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे।

कन्या नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

तुला व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृश्चिक व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे।

धनु यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। दूसरों के काम में दखलंदाजी न करें।

कुम्भ आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

करो तैयारी आ रहे हैं अटल बिहारी

19 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी मैं अटल हूं

पंकज त्रिपाठी इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच अब उन्होंने फैंस के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म मैं अटल हूं के बारे में खास जानकारी साझा की है। दरअसल, पंकज ने फिल्म के ट्रेलर की रिलीज की तारीख से पर्दा उठा दिया है। पंकज ने खास अंदाज में पोस्ट साझा करते हुए मैं अटल हूं के ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान किया है।

पंकज त्रिपाठी ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वे एक बोर्ड पक? हुए नजर आ रहे हैं। उस बोर्ड पर लिखा है, करो तैयारी आ रहे हैं अटल बिहारी। वहीं तस्वीर साझा करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, सब साथ मिलकर श्री अटल बिहार वाजपेयी जी का स्वागत करते हैं। मैं अटल हूं का ट्रेलर 20 दिसंबर, 2023 को रिलीज होगा। यह फिल्म 19 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

बॉलीवुड मसाला

पंकज की पोस्ट के बाद अब फैंस फिल्म के ट्रेलर के लिए 20 दिसंबर को इंतजार कर रहे हैं। मैं अटल हूं की बात करें तो यह फिल्म तीन बार भारत के प्रधानमंत्री रह चुके दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में भारत रत्न अटल बिहारी की भूमिका पंकज त्रिपाठी निभाते दिखेंगे। इस फिल्म का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। इसे रवि ने ही ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा भी है। इसका निर्माण, विनोद भानुशाली, संदीप सिंह और कमलेश भानुशाली ने किया है। फिल्म का संगीत सलीम-सुलेमान ने दिया है। वहीं बात करें पंकज त्रिपाठी की आने वाली फिल्मों के बारे में तो अभिनेता अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक मैं अटल हूं के अलावा कई फिल्मों में नजर आएंगे। वे अनुराग बासु की फिल्म मेट्रो इन दिनों में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर भी अहम भूमिका में होंगे। वहीं पंकज स्त्री 2 में भी नजर आएंगे।

मिस्टर बच्चन में बिग बी के लुक में धमाल मचाने वाले हैं रवि तेजा

साउथ के सुपरस्टार रवि तेजा बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन के लुक में धमाल मचाने वाले हैं। रवि तेजा और डायरेक्टर हरीश शंकर एक बार फिर साथ काम करने जा रहे हैं, जिसका टाइटल और फिल्म का फर्स्ट लुक रविवार को जारी किया गया। इस तेलगु फिल्म का नाम मि. बच्चन रखा गया है। रवि तेजा जो खुद दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के फैन हैं, वे इस फिल्म के पोस्टर में पूरी तरह से अपने पसंदीदा स्टार के लुक में नजर आ रहे हैं।

फिल्म के फर्स्ट लुक में रवि चश्मा लगाए हुए एक स्कूटर पर बैठे और सीरियस लुक देते नजर आ रहे हैं। इसमें उन्होंने लंबी मूछ रखी हुई है और उनका हेयर स्टाइल 70-80 के दशक के अमिताभ बच्चन जैसा है। उनके पीछे अमिताभ बच्चन की शेड आर्ट और एक सिनेमा हाल है, जहां

कुछ लोग खड़े दिख रहे हैं। इसके कैप्शन में अमिताभ बच्चन के डायलॉग का एक लाइन लिखी हुई है।

रवि तेजा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अमिताभ बच्चन वाला अपना लुक शेयर किया। इस पोस्टर के साथ उन्होंने बिग बी की फेमस डायलॉग की एक लाइन भी ट्वीट की। तेजा ने लिखा, अमिताभ बच्चन नाम तो सुना होगा। मेरे लिए पसंदीदा अमिताभ बच्चन सर के नाम वाला किरदार निभाना सम्मान की बात है। तेजा के इस लुक पर दर्शकों की भी खूब प्रतिक्रिया सामने आ रही है। एक फैन ने तो उन्हें अमिताभ की रियल फैन लिख डाला।

बता दें कि इस फिल्म के साथ रवि तेजा और डायरेक्टर हरीश शंकर तीसरी बार साथ काम करने जा रहे हैं। दोनों ने इससे पहले 2006 में आई फिल्म शॉक और 2011 में आई मिरापाके में काम किया था। वहीं, यारियां 2 फेम भाग्यश्री बोरसे इस फिल्म के साथ अपना तेलुगु डेब्यु करने जा रही हैं। इसमें वे रवि तेजा के साथ मुख्य किरदार में होंगी। हरीश शंकर की यह फिल्म 2024 में रिलीज होगी। फिल्म का संगीत मिकी जे मेयर तैयार कर रहे हैं।

बॉलीवुड मन की बात

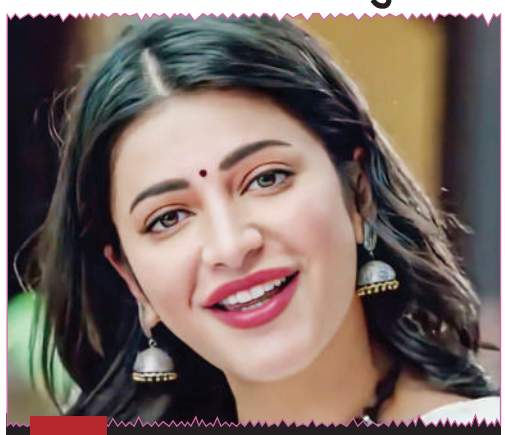

आप शराब नहीं पी रहे हों, तो पार्टी में लोगों को बर्दाश्त कठिन हो जाता है : श्रुति हासन

श्रुति हासन इन दिनों अपनी आगामी पैन इंडिया एक्शन फिल्म को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म का निर्देशन शेनिल देव कर रहे हैं। बीते दिन शनिवार को निर्माताओं ने इस फिल्म से श्रुति हासन का पहला लुक जारी किया गया है। वहीं, हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में श्रुति ने शराब के सेवन करने के बारे में कई चौंकाने वाले खुलासे किया है। एक बातचीत के दौरान श्रुति ने शराब का सेवन न करने को लेकर कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, मैं आठ साल से शराब का सेवन नहीं कर रही हूं, इसलिए मैं शांति से अपनी लाइफ जी रही हूं। लेकिन जब आप शराब नहीं पी रहे हों, तो पार्टी में लोगों को बर्दाश्त कठिन हो जाता है। हालांकि, मुझे इस बात का कोई पछतावा नहीं है कि मैं कोई हैंगओवर नहीं कर रही हूं। श्रुति ने उन दिनों के बारे में बताया जब उन्हें शराब और पार्टी करने की आदत हो गई थी। उन्होंने कहा, मैंने कभी ड्रग्स का सेवन नहीं किया है, लेकिन शराब पीने की आदत हो गई थी। मैं हमेशा अपने दोस्तों के साथ पार्टी और शराब पीने की इच्छा रहती थी। कुछ समय बाद मुझे महसूस हुआ कि मैं ज्यादा ही शराब पीने लगी हूं। इसलिए मैंने उन लोगों से दूरी बना ली, जो मुझे लगातार पार्टी करने का सुझाव देते थे और शराब पीने की मेरी समस्याओं को और बढ़ा देते थे। श्रुति हासन के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में फिल्म वाल्टेयर वीरय्या में नजर आई थीं। केएस रवींद्र द्वारा निर्देशित इस एक्शन-ड्रामा फिल्म में चिरंजीवी और रवि तेजा भी मुख्य भूमिकाओं में थे। अभिनेत्री की आगामी फिल्म की बात करें तो श्रुति प्रशांत नील द्वारा लिखित और निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म सालार में दिखाई देंगी। इस फिल्म में अभिनेता प्रभास मुख्य किरदार में हैं, साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन, जगपति बाबू, टीनू आनंद, ईश्वरी राव, श्रिया रेड्डी और रामचंद्र राजू सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पत्थर का ये टुकड़ा दुनिया की सबसे कीमती धातु, सोने से भी ज्यादा महंगी

धरती पर एक से एक अनमोल चीजें हैं, जो थोड़ी सी भी मिल जाए तो आदमी मालामाल हो जाए। सोना, चांदी, यूरेनियम इनमें से एक है। लेकिन एक धातु ऐसी भी है, जिसकी कीमत इन सबसे काफी ज्यादा है। इसकी मांग दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। जहां भी इसके पाए जाने के सबूत मिलते हैं, अमीर देश उसकी ओर भागते हैं। कार कंपनियां नजर गड़ाए रहती हैं। आखिर इस धातु में ऐसा है क्या, और क्यों इसकी मांग काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। आइए जानते हैं। संसार की सबसे कीमती धातु है पैलेडियम। दक्षिण अफ्रीका में पैलेडियम को प्लेटिनम के एक बाइप्रोडक्ट की तरह निकाला जाता है। रूस में ये निकल के बाइप्रोडक्ट की तरह निकाला जाता है। इन दोनों जगहों पर ही ये भारी मात्रा में पाए जाते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, इसकी कीमत इतनी तेजी से इसलिए बढ़ रही क्योंकि जितनी इसकी मांग है, उतनी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। आप सोच रहे होंगे कि आखिर इसका इस्तेमाल कहां होता होगा। तो बता दें कि इस चमकीली सफेद धातु का इस्तेमाल गाड़ियों की उत्सर्जन प्रणाली में होता है, जो हानिकारक तत्व को कार्बन डाइऑक्साइड और भाप में बदलते हैं। पेट्रोल गाड़ियों के एग्जॉस्ट में इस्तेमाल होने वाला कैटेलिस्ट भी इससे बनाया जाता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक, जूलरी और दंत चिकित्सा में भी इसे इस्तेमाल किया जाता है। अब चूंकि सरकारें प्रदूषण को लेकर नियम सख्त कर रही हैं, इसलिए वाहनों में इसका इस्तेमाल भी काफी ज्यादा हो रहा है। डिमांड इतनी ज्यादा है कि इसकी कीमत एक साल में ही दोगुनी हो गई है। 10 ग्राम सामान्य पैलेडियम का मूल्य 60 हजार रुपये तक है। वहीं अच्छे पैलेडियम की बात करें तो 10 ग्राम पैलेडियम तकरीबन 80 हजार रुपये में मिलेगा। वर्ष 2000 से अब तक इसकी कीमतों में 900 फीसदी से ज्यादा का इजाफा हो चुका है। आने वाले दिनों में इसकी मांग और बढ़ने वाली है क्योंकि वाहन निर्माता कंपनियां इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा रही हैं।

अजब-गजब | शायद ही आपको पता होगी वजह ...

समय से पहुंचने पर भी आउटर पर क्यों रुक जाती है ट्रेन

अगर आप ट्रेन से यात्रा करने के शौकीन हैं या फिर आपको अक्सर ऐसी यात्राएं करनी होती हैं तो आपने देखा होगा कि ट्रेन स्टेशन आने से पहले आउटर पर जाकर रुक जाती है। इस दौरान बहुत से यात्री झल्लाए हुए दिखाई देते हैं लेकिन उन्हें इस बात का अंदाज़ा नहीं होता है कि आखिर ऐसा होता क्यों है? समय पर ट्रेन पहुंच गई तो उसे रोक क्यों दिया जाता है?

हम आज बात कर रहे हैं आउटर पर ट्रेन रोकने और इसके कारण के बारे में। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कोरा पर लोगों ने सवाल पूछा है- ट्रेन को आउटर पर रोका क्यों जाता है? गाड़ी समय पर स्टेशन पर पहुंच रही होती है और कुछ दूर पहले ही आउटर पर रोक दी जाती है। आखिर ये कैसा नियम बनाया गया है?

लोगों ने इसे लेकर तरह-तरह के जवाब दिए हैं। ऐसे स्टेशन पर जहां 2 आस्पेक्ट वाले सिग्नल होते हैं, वहां ट्रेन को प्लेटफॉर्म पर लाने से पहले अगर रोकना हो तो पहले इसे आउटर सिग्नल पर रोका जाता है। स्टेशन पर आने से पहले ट्रेन का पहला स्टॉप साइन होता है। इसे स्टेशन से ठीक-ठाक दूरी पर बनाया जाता है। अगर आउटर सिग्नल मौजूद नहीं है तो ट्रेन को

होम सिग्नल पर रोका जाता है। आउटर सिग्नल को होम सिग्नल से भी अच्छी-खासी दूरी दी जाती है, ताकि अगर ट्रेन को होम से पहले कहीं रोकने की जरूरत पड़े तो आराम से रोक दिया जाए। इस एरिया को ब्लॉक ओवरलैप कहा जाता है।

रेलवे के जानकार बताते हैं कि अब बहुत कम ही ऐसे स्टेशन बचे हैं जहां से पहले आउटर सिग्नल लगा हो। अब अगर गाड़ियां पहले रुकती हैं, तो उसकी सीधी वजह है कि ट्रेन के उस प्लेटफॉर्म पर अगर पहले से गाड़ी मौजूद है, जहां उसे पहुंचना है तो इसे रोक दिया जाता है। यही वजह है कि ट्रेन की स्पीड अच्छी होने के बाद भी प्लेटफॉर्म के इंतजार में उसे आउटर एरिया में रोका जाता है। जब तक आगे की ट्रेन हटती नहीं है, तब तक दूसरी ट्रेन को सिग्नल नहीं मिलता।

'लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़ेदान में फेंका जा रहा'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बोले- सांसदों का निलंबन निरंकुश मोदी सरकार की तानाशाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा से 33 सांसदों के निलंबन पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। खरगे ने एक पोस्ट कर कहा कि जो हुआ वो सही नहीं है। खरगे ने आगे कहा कि पहले, घुसपैठियों ने संसद पर हमला किया। फिर मोदी सरकार संसद और लोकतंत्र पर हमला कर रही है। खरगे ने कहा कि 47 सांसदों को निलंबित करके निरंकुश मोदी सरकार द्वारा सभी लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़ेदान में फेंक दिया जा रहा है।

खरगे ने कहा कि विपक्ष के बिना संसद में मोदी सरकार अब महत्वपूर्ण लंबित कानूनों को कुचल सकती है, किसी भी असहमति को बिना किसी बहस के कुचल सकती है। बता दें कि लोकसभा से 33 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है। सभी सांसदों पर संसद की कार्यवाही में बाधा डालने का आरोप है। 3 सांसदों को अध्यक्ष की कुर्सी के पास आकर हंगामा करने के लिए निलंबित किया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही बाधित करने और आसन की अवमानना को लेकर सोमवार को विपक्षी दलों के 30 सदस्यों को मौजूदा संसद सत्र की शेष अवधि के लिए तथा तीन सदस्यों को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक के लिए निलंबित कर दिया। संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर हंगामे के दौरान इस कार्रवाई के बाद विपक्ष सरकार पर और हमलावर हो गया है। कांग्रेस ने कहा कि वो सदन के बाहर भी विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। खरगे ने कहा कि हमारी दो सरल और वास्तविक मांगें हैं-केंद्रीय गृह मंत्री को संसद की सुरक्षा में अक्षम्य चूक पर संसद के दोनों सदनों में बयान देना चाहिए और इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री किसी अखबार को साक्षात्कार दे सकते हैं, गृह मंत्री टीवी चैनलों को साक्षात्कार दे सकते हैं, लेकिन उनकी उस संसद के प्रति कोई जवाबदेही नहीं बची है, जो भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करती है।

तीन सदस्यों का रिपोर्ट आने तक निलंबन

जोशी के प्रस्ताव पर सदन ने कांगेस के तीन अन्य सांसदों के. जयकुमार, विजय वसंत और अब्दुल खालिक को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक के लिए निलंबित किया। संसद में सुरक्षा चूक के मुद्दे पर आसन की अवमानना को लेकर और कार्यवाही बाधित करने के लिए गत 14 दिसम्बर को 13 सदस्यों को संसद सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया था।

विपक्ष पर बुलडोजर चला रही है सरकार : गोगोई

वहीं लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के निलंबित उप नेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार विपक्ष पर बुलडोजर चला रही है जिससे कि अमित शाह हमारे सवालों से बच सकें। हम संसद के बाहर भी अपना विरोध जारी रखेंगे। लोकसभा में तख्तियां लेकर हंगामा करने के कारण कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी समेत कुल 33 सदस्यों को सोमवार को सदन से निलंबित कर दिया गया। कुछ दिन पहले ही लोकसभा के 13 सदस्यों और राज्यसभा के एक सदस्य का निलंबन हुआ था। पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल ने आसन की अवमानना को लेकर एवं कार्यवाही बाधित करने के लिए तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नौ-नौ, कांग्रेस के सात, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के दो तथा रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, वीरुथलई चिरुथैगल काची (वीसीके) और जनता दल (यूनाइटेड) के एक-एक सदस्य का नाम लिया। आसन द्वारा सदस्यों का नाम (नेम करना) लिया जाता है तो इसे उन सदस्यों को निलंबित करने की प्रक्रिया की शुरुआत माना जाता है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (दो) के तहत संसद के शेष सत्र के लिए सदन से निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदस्यों ने ध्वनि मत से पारित कर दिया. कांग्रेस के सात सदस्यों- अधीर रंजन चौधरी, एंटो एंटोनी, के मुरलीधरन, के सुरेश, अमर सिंह, राजा मोहन उन्नीथन और गौरव गोगोई को शेष सत्र के लिए निलंबित किया गया है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आडवाणी-जोशी को आने से रोका गया

» राम मंदिर ट्रस्ट ने नहीं बुलाया, चंपत राय बोले-अस्वस्थता की वजह से न्यौता नहीं भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के लिए आंदोलन में सबसे आगे रहने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी से राम मंदिर ट्रस्ट ने अपील की है कि वो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में न आए। मंदिर ट्रस्ट ने कहा है सोमवार को कहा कि दोनों बुजुर्ग हैं और उनकी उम्र को देखते हुए उनसे न आने का अनुरोध किया गया है, जिसे दोनों ने स्वीकार कर लिया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा 22 जनवरी को अभिषेक समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल होंगे। तैयारियां 15 जनवरी तक पूरी हो जाएंगी और प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूजा 16 जनवरी से शुरू होगी, यह 22 जनवरी तक चलेगी। समारोह में आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को आमंत्रित किए जाने के सवाल पर चंपत राय ने कहा कि समारोह के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया है, लेकिन

अपील यही है कि कृपया वह ना आएं। क्योंकि उनकी उम्र बहुत ज्यादा है। ठंड का मौसम रहेगा, जो उनके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं होगा। आडवाणी के बारे में बार बार सवाल पूछना उनका मजाक उड़ाना है। आडवाणी अब 96 साल के हैं और जोशी अगले महीने 90 साल के हो जाएंगे। चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश की 125 परंपराओं के संत आमंत्रित किए गए हैं। जैन, बौद्ध सिख धर्म के धर्म गुरुओं को भी आमंत्रित किया गया है। सिने स्टार रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, माधुरी दीक्षित, अरुण गोविल, फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और प्रमुख उद्योगपति जैसे मुकेश अंबानी, अनिल अंबानी, प्रसिद्ध चित्रकार वासुदेव कामत, इसरो निदेशक राय ने कहा, नीलेश देसाई और कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है।

तमिलनाडु में बारिश के कहर से तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिण जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है, बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए गए हैं। इंडियन एयर फोर्स, आर्मी और अन्य बचाव दल राहत अभियान चला रहे हैं।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है, राज्य में बारिश से संबंधित घटनाओं में तीन से अधिक लोगों की मौत हो गई है। तूतीकोरिन जिले के श्रीवैकुंटम रेलवे स्टेशन पर पिछले 24 घंटों से लगभग 500 यात्री फंसे हुए हैं क्योंकि भारी बारिश के बाद स्टेशन पर पानी भर गया है और ट्रेन की पटरियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। भारतीय वायु सेना ने फंसे हुए रेल यात्रियों के लिए हवाई राहत सामग्री गिराना शुरू कर दिया है और अस्वस्थ यात्रियों को भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टरों से एयरलिफ्ट किया जाएगा।

मुझे हारने का नहीं देश के हालात पर दुख : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। अशोक गहलोत का राजस्थान की सत्ता में वापसी का सपना टूट गया है। लगातार दूसरी बार सरकार बनाने की उम्मीदें पाले बैठी कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में झटका लगा। कांग्रेस की इस हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बयान सामने आया है। अशोक गहलोत ने कहा कि मुझे चुनाव हारने का दुख नहीं है। गहलोत ने कहा कि मुझे चिंता इस बात की है कि देश में क्या हो रहा है।

पूर्व सीएम ने आगे कहा, कि चुनाव में हार-जीत तो होती है, मैंने राजस्थान में अपना फर्ज पूरा किया। देश में जो हो रहा है, उस पर लोगों को चिंतित होना चाहिए। गौरतलब है कि तीन दिसंबर को आए चुनाव नतीजों में बीजेपी ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है। बीजेपी को कुल 115 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई। विधायक भजनलाल शर्मा को राजस्थान का सीएम बनाया गया है। इसके अलावा, दीया कुमारी और प्रेम चंद बैरवा को डिप्टी सीएम बनाया गया। वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ को राजस्थान विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है।

गुजरात के कांग्रेस विधायक विराग पटेल ने दिया इस्तीफा

कांग्रेस के लोकप्रिय नेता और खंभात से विधायक विराग पटेल आज गांधीनगर विधानसभा पहुंचे हैं। सुबह से ही अटकलें लगाई जा रही थी कि वह कांग्रेस और विधायक पद से इस्तीफा देंगे। इन्हीं अटकलों के बीच वह विधानसभा में सभापति के चैंबर पहुंचे और अपना इस्तीफा सौंप दिया जब वे अध्यक्ष से मिलने पहुंचे तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस में पार्टी तोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। मंगलवार सुबह खंभात विधायक विराग पटेल ने कहा, मैं कांग्रेस विधायक हूं। अब मैं अपने क्षेत्र के सवाल रखने आया हूं। दोपहर के बाद जानकीनाथ को पता नहीं चला कि कल सुबह क्या होने वाला है। उन्होंने संकेत दिया है कि वह मंगलवार को दोपहर के बाद कांग्रेस पार्टी छोड़ सकते हैं।

एमपी विस में नेहरू की तस्वीर हटाने से बवाल

पूर्व पीएम की तस्वीर की जगह आसंदी के पीछे लगी अंबेडकर की प्रतिमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश की16वीं विधानसभा की शुरुआत में सोमवार को सदन के अंदर एक बड़ा बदलाव देखने को मिला। आसंदी के पीछे लगी देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर को हटा दिया गया। उनके स्थान पर यहां संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर की तस्वीर को लगा दिया गया।

बताया जा रहा है कि नेहरू की यह फोटो नई विधानसभा की शुरुआत से यहां लगाई गई थी। भाजपा विधायक लंबे से इस बदलाव की मांग उठाते आ रहे थे। विधानसभा सचिवालय ने आखिर इस पर निर्णय लेते हुए यह परिवर्तन कर दिया। फोटो में बदलाव

होते ही इस पर सियासत भी शुरू हो गई, जहां सत्ता पक्ष भाजपा ने इस निर्णय का स्वागत किया है वहीं कांग्रेस ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सदन में अंदर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटा कर संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाए जाने पर कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने कहा कि अंबेडकर की तस्वीर लगाई जाने का हम स्वागत करते हैं लेकिन पंडित नेहरू की तस्वीर हटाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस बोली बीजेपी ने किया पूर्व प्रधानमंत्री का अपमान

मध्यप्रदेश विधानसभा में सदन में अंदर से पंडित जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर हटाए जाने का विवाद बढ़ता ही जा रहा है। कांग्रेस अपने नेता नेहरू के अपमान को लेकर आगबबूला हो गई है। सदन के बाहर कांग्रेस प्रदर्शन करने की बात कर रही है। कांग्रेस मीडिया विभाग के उपाध्यक्ष अब्बास हाफिज का बयान है कि देश के पहले प्रधानमंत्री का अपमान भाजपा ने किया है। इतिहास को मिटाने की कोशिश की जा रही है। अब्बास ने मांग उठाई कि विधानसभा में नेहरूजी की तस्वीर उसी जगह लगाई जाए जहां पहले लगी थी। ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस के विधायक तस्वीर को वहीं लगाएंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नेहरू का अपमान भाजपा को भारी पड़ेगा।

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। ज्ञानवापी परिसर के स्वामित्व विवाद को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला आया है। यह मंदिर समर्थकों के पक्ष में है। हाईकोर्ट ने सिविल वाद को पोषणीय माना है और कहा है कि प्लेसेस आफ वर्शिप एक्ट 1991 से सिविल वाद बाधित नहीं है। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ बहुप्रतीक्षित प्रकरण में सुनवाई की गई।

कोर्ट ने अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी व सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की सभी याचिकाएं खारिज कर दी हैं और सर्वे रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने के साथ ही सर्वे जारी रखने की छूट दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट का यह फैसला ज्ञानवापी स्थित स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर नाम मंदिर के जीर्णोद्धार का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) के सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ज्ञानवापी परिसर के स्वामित्व विवाद का हल निकल सकेगा। करोड़ों हिंदुओं की आस्था जीवंत हो उठेगी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने सिविल वाद की पोषणीयता पर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति आधार हीन करार देते हुए कहा कि परिसर का सर्वे कराने के आदेश में कोई कानूनी खामी नहीं है। कोर्ट ने सभी अंतरिम आदेश भी समाप्त कर दिए हैं।

मस्जिद सर्वेक्षण पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर परिसर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद में सर्वेक्षण कराने पर सोमवार को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। मुस्लिम पक्ष की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल होने का हवाला दिए जाने की दलील दी गई। हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। अब कोर्ट की तरफ से इस मामले में अपना फैसला सुनाया जाएगा, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

हाईकोर्ट के मस्जिद परिसर के एएसआई सर्वे और इस सर्वे के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किए जाने की संभावना जताई जा रही थी। इसके साथ ही विवादित परिसर के सर्वे की प्रक्रिया क्या होगी, सर्वे कब तक शुरू किया जाएगा इस पर भी कोर्ट के निर्णय की बात कही जा रही थी।

15 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष के उस मौखिक अनुरोध पर विचार करने से शुक्रवार को इनकार कर दिया जिसमें मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से सटे शाही ईदगाह मस्जिद के परिसर का सर्वेक्षण कराने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाने का आग्रह किया गया था। न्यायालय ने हालांकि उनसे संबंधित फैसले को अपील के माध्यम से चुनौती देने को कहा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के परिसर का सर्वेक्षण करने के लिए अदालत की निगरानी में अधिवक्ता आयुक्त नियुक्त करने की मांग करने वाली याचिका बृहस्पतिवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि आयोग गठित करने के लिए वादी की याचिका स्वीकार की जाती है। जहां तक इस आयोग के तौर तरीकों और प्रारूप का संबंध है, इस अदालत को यह उचित प्रतीत होता है कि इस उद्देश्य के लिए पक्षकारों के वकीलों को सुना जाए।

महुआ मोइत्रा के बंगला खाली करने के मामले में सुनवाई चार जनवरी तक टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कैश फॉर क्वेश्चन मामले में संसद की सदस्यता से निष्कासित टीएमसी नेता महुआ मोईत्रा द्वारा सरकारी बंगला खाली कराने के दिए नोटिस को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देने वाली याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई 4 जनवरी तक टल गई है। महुआ मोइत्रा को हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि महुआ मोइत्रा की निष्कासन के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। ऐसे मे हाईकोर्ट इसपर फिलहाल सुनवाई नहीं कर सकता। महुआ ने बंगला खाली कराने के नोटिस पर रोक लगाने की मांग की है। 11 दिसंबर को संपदा विभाग ने बंगला खाली करने का नोटिस दिया है। लोकसभा से निष्कासन के बाद टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा को संपदा निदेशालय ने 7 फरवरी तक अपना सरकारी आवास खाली करने का आदेश दिया था। इस याचिका में सांसद ने आग्रह किया है कि संपदा निदेशालय के 11 दिसंबर के आदेश को रद्द कर दिया जाए या मोइत्रा को 2024 लोकसभा के नतीजे आने तक वैकल्पिक रूप से आवास पर कब्जा बनाए रखने की अनुमति दी जाए।

फिर भड़की मणिपुर में हिंसा

धारा 144 लागू

सुरक्षा बलों ने संभाले हालात, 18 फरवरी तक लागू रहेगी निषेधाज्ञा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। आदिवासी बहुल जिले में छिटपुट हिंसा की ताजा रिपोर्ट के बाद मणिपुर सरकार ने मंगलवार को चुराचांदपुर जिले में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत दो महीने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। 18 दिसंबर से धारा 144 लागू कर दी गई है और 18 फरवरी 2024 तक जारी रहेगी।

चुराचांदपुर मणिपुर का वो इलाका है जहां हिंसा की सबसे खतरनाक दृश्य देखे गये। मणिपुर के बारे में भले ही खबरें कम आती है लेकिन वहां के हालात ठीक नहीं है लगभग 8-9 महीनों से मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है।

ताजा अपडेट में आदिवासी बहुल जिले में छिटपुट हिंसा की ताजा रिपोर्ट के बाद मणिपुर सरकार ने मंगलवार को चुराचांदपुर जिले में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत दो महीने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी। 18 दिसंबर से धारा 144 लागू कर दी गई है और 18 फरवरी 2024 तक जारी रहेगी।

जनजातीय लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने पर हुआ बवाल

निषेधाज्ञा के आदेश एक जनजातीय निकाय की उस घोषणा के बाद आए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि वे मंगलवार को जातीय संघर्ष के दौरान मारे गए जनजातीय लोगों को सामूहिक रूप से दफनाएंगे। चुराचांदपुर स्थित एक प्रभावशाली आदिवासी निकाय, इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएफएल) ने राज्य में जातीय संघर्ष के दौरान मारे गए 60 से अधिक लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की घोषणा की। हिंसा में मारे गए 64 लोगों के शव गुरुवार को उनके परिवारों को सौंप दिए गए। मई की शुरुआत से ही शवों को सरकारी मुर्दाघरों में रखा गया था।

नड्डा से शिवराज ने की मुलाकात

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर पहुंचे। नड्डा के साथ उनकी इस मुलाकात के कई बड़े मायने निकाले जा रहे हैं। चौहान ने पहले भाजपा प्रमुख के साथ अपनी निर्धारित बैठक की पुष्टि की थी लेकिन एजेंडे का खुलासा करने से परहेज किया था।

गुमशुदा की तलाश

नाम: विनोद पाण्डेय
पत्नी का नाम: उषा पाण्डेय
पता: ग्राम पचारी कला
पोस्ट: गौरी थाना बासी
उम्र: 54 वर्ष
रंग: गेहुंआ
लम्बाई: 5 फिट 6 इंच
लम्बा चेहरा आंख पर पावर का चश्मा

दिनांक 13.06.2023 दिन मंगलवार को कार्यालय से समय शाम करीब 5 बजे से गायब हैं जिस किसी व्यक्ति की इनके बारे में कोई भी जानकारी हो नीचे दिये हुए नम्बरों पर सूचित करने की कृपा करें।

पता बताने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा।

कोतवाली बस्ती

9454403115, 9454401341, 8318242796

नशे में धुत कार चालक ने छह लोगों को कुचला, 3 की गई जान

मुंबई के पास कल्याण-बदलापुर हाईवे पर हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कल्याण-बदलापुर राज्य राजमार्ग पर शांति नगर इलाके में सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार, कार चालक नशे में था। उसने एक ऑटो रिक्शा और दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। रिक्शे में सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार कार उल्हासनगर के शांतिनगर इलाके से अंबरनाथ की ओर आ रही थी।

कार ने सड़क के किनारे खड़े एक रिक्शा और दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में सोमुदीप जाना, अंजलि जाना और शुभम चव्हाण की मौत हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही सेंट्रल पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी लवेश रमानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि पुलिस को कार से शराब की बोतलें, प्लास्टिक की छोटी थैली मिली है, जिसमें सफेद रंग कुछ पाउडर है। आरोपी किसी पार्टी से लौट रहा था। सूत्रों का कहना है कि आरोपी करोड़पति परिवार से संबंध रखता है और उसे बचाने के लिए कई प्रतिष्ठित लोग पुलिस स्टेशन के चक्कर काटते दिखाई दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चीन में भूकंप से 116 की मौत ढेर हो गईं ऊंची-ऊंची इमारतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजिंग। चीन में देर रात आए भूकंप में अब तक 116 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। वहीं, 400 से ज्यादा घायल हुए हैं। 6.1 तीव्रता का यह भूकंप गांसू और किंघई प्रांत में सोमवार देर रात आया। भूकंप का केंद्र गांसु के लिंक्सिया हुई में साला काउंटी में जमीन के 10 किलोमीटर नीचे रहा। प्रांत में ऊंची-ऊंची इमारतों के लिए कितना घातक साबित हुआ, इसका नजारा चीन से आई तस्वीरों और वीडियो में साफ देखा जा सकता है।

6.1 तीव्रता के झटके

चीन की आपात सेवाओं को भूकंप के ठीक बाद मलबे में तब्दील हुई कई इमारतों से लोगों को सही-सलामत निकालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी सरकार और प्रशासन के सभी अंगों से ऑल आउट ऑपरेशन चलाने को कहा है। चीन की स्थानीय मीडिया की तरफ से गांसू प्रांत में आए इस भूकंप के वीडियो और इसके असर से जुड़ी तस्वीरें साझा की गई हैं। इसके अलावा कुछ लोगों ने भी भयावह मंजर को बयां किया है। इनमें से एक वीडियो जो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ है, उसमें ऊंची इमारत में बने एक कमरे को बुरी तरह कांपते देखा जा सकता है। इस दौरान कमरे से सामान और प्लास्टर को टूटकर नीचे गिरते भी देखा गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।